चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	20-9-23	5	1-5

किसान अच्छी फसल के लिए प्रमाणित बीजों को ही बोएं: डॉ. जीतराम शर्मा

एचएयू में देसी कपास के हाइब्रिड बीज उत्पादन के लिए लगाया प्रशिक्षण शिविर

- नकली बीज व दवाओं से सावधान रहने के लिए कहा

हिसार (सच कहूँ/श्याम सुन्दर सरदाना)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से देसी कपास का बीज उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर किसानों को देसी कपास के संकर (हाइब्रिड) बीज उत्पादन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। उन्होंने किसानों से फसलों की अधिक उपज लेने के लिए प्रमाणित बीजों को प्रयोग करने पर बल दिया। उन्होंने कहा बाजार में नकली बीज एवं दवाइयां उपलब्ध हैं, जिनसे उन्हें सावधान रहना चाहिए। उन्होंने कहा किसान यदि बीज स्वयं तैयार करते हैं तो यह न केवल शुद्ध होगा अपितु उन्हें बाजार से सस्ता भी पड़ेगा, जिससे उन्हें फसल से अधिक मुनाफा होगा। डॉ. शर्मा ने किसानों से देसी कपास के बीज उत्पादन में उचित पोषक प्रबंधन, कीट एवं रोग प्रबंधन को अनिवार्य बताते हुए बीज उत्पादन से जुड़ी सभी सावधानियों को कुशलता एवं सटीकता से पालन करने का अनुरोध किया।

कार्यक्रम में हिसार जिला के कृषि उप-निदेशक डॉ. विनोद फोगाट ने कपास की उत्तम खेती एवं बीज उत्पादन के लिए आयोजित ऐसे प्रशिक्षण शिविरों को किसानों के लिए महत्वपूर्ण बताया और इस दिशा में हकृवि के कपास अनुभाग के प्रयासों की सराहना की। साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह निदेशक डॉ. ए.के. गोदारा ने किसानों को सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा किसानों को इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविरों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	20-9-23	4	5-8

एच.ए.यू. में देसी कपास बारे लगाया प्रशिक्षण शिविर

कपास वैज्ञानिकों ने किसानों को दी कई जानकारियां

हिसार, 19 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण व शिक्षा संस्थान की ओर से देसी कपास का बीज उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर किसानों को देसी कपास का संकर (हाइब्रिड) बीज उत्पादन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. जीतराम शर्मा ने इस प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। उन्होंने किसानों से फसलों की अधिक उपज लेने के लिए प्रमाणित बीजों को प्रयोग करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बाजार में नकली बीज व दवाइयां उपलब्ध हैं, जिनसे सावधान रहना चाहिए। किसान यदि बीज स्वयं तैयार करते हैं तो यह न केवल शुद्ध होगा अपितु उन्हें बाजार से सस्ता भी पड़ेगा, जिससे उन्हें फसल से अधिक मुनाफा होगा। डा. शर्मा ने किसानों से देसी कपास के बीज उत्पादन में उचित पोषक प्रबंधन, कीट एवं रोग प्रबंधन को अनिवार्य बताते हुए बीज उत्पादन से जुड़ी सभी सावधानियों को कुशलता व सटीकता से पालन करने का अनुरोध किया।

अनुसंधान निदेशक डा. जीतराम शर्मा प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए

कार्यक्रम में हिसार जिला के कृषि उप-निदेशक डा. विनोद फोगाट भी उपस्थित रहे, जिन्होंने कपास की उत्तम खेती व बीज उत्पादन के लिए आयोजित ऐसे प्रशिक्षण शिविरों को किसानों के लिए महत्वपूर्ण बताया और इस दिशा में हकृवि के कपास अनुभाग के प्रयासों की सराहना की। साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण व शिक्षा संस्थान के सह निदेशक डा. ए.के. गोदारा ने किसानों को सक्षम और आत्मनिर्भर बनने का सुझाव दिया। प्रशिक्षण दौरान हकृवि वैज्ञानिक डा. सोमवीर ने कपास की स्थिति और कटाई के बाद देसी कपास के बीज उत्पादन से जुड़ी जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	20-9-23	3	1-3

शिविर • कपास वैज्ञानिकों ने किसानों को दी जानकारी

एचएयू में देसी कपास के हाइब्रिड बीज उत्पादन का प्रशिक्षण दिया

भास्कर न्यूज़ | हिसार

एचएयू के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से देसी कपास का बीज उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर किसानों को देसी कपास का संकर हाइब्रिड बीज उत्पादन संबंधी जानकारियां दी गईं। विवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने इस प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। उन्होंने किसानों से फसलों की अधिक उपज लेने के लिए प्रमाणित बीजों को प्रयोग करने पर बल दिया। उन्होंने कहा बाजार में नकली बीज एवं दवाइयां उपलब्ध हैं जिनसे उन्हें सावधान रहना चाहिए। किसान यदि बीज स्वयं तैयार करते हैं तो यह न केवल शुद्ध होगा अपितु उन्हें बाजार से सस्ता भी पड़ेगा।

कार्यक्रम में हिसार जिला के कृषि उप-निदेशक डॉ. विनोद फोगाट भी उपस्थित रहे। जिन्होंने कपास की उत्तम खेती एवं बीज उत्पादन के लिए आयोजित ऐसे प्रशिक्षण शिविरों को किसानों के लिए महत्वपूर्ण बताया और इस दिशा में एचएयू के कपास अनुभाग के प्रयासों की सराहना की। साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह निदेशक डॉ. एके गोदारा ने किसानों को सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनने का सुझाव दिया।

कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह मलिक, एचएयू वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर, डॉ. मीनाक्षी जाटाण, डॉ. संदीप कुमार और डॉ. अनिल, डॉ. अनिल कुमार सैनी, डॉ. शुभम लाम्बा, डॉ. शिवानी मानधनिया एवं डॉ. शिवराज पुंडीर भी उपस्थित रहे।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	20-9-23	5 --	4-6-

एचएयू में देसी कपास के हाइब्रिड बीज उत्पादन हेतु लगा प्रशिक्षण शिविर

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए।

कपास वैज्ञानिकों ने किसानों को दी महत्वपूर्ण जानकारी

हिसार, 19 सितंबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से देसी कपास का बीज उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर किसानों को देसी कपास का संकर (हाइब्रिड) बीज उत्पादन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने इस प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। उन्होंने किसानों से फसलों की अधिक उपज लेने के लिए प्रमाणित बीजों को प्रयोग करने पर बल दिया। उन्होंने कहा बाज़ार में नकली बीज एवं दवाइयां उपलब्ध हैं जिनसे उन्हें सावधान रहना चाहिए। उन्होंने कहा किसान यदि बीज स्वयं तैयार करते हैं तो यह न केवल शुद्ध होगा अपितु उन्हें बाजार से सस्ता भी पड़ेगा जिससे उन्हें फसल से अधिक मुनाफा होगा। डॉ. शर्मा ने किसानों से देसी कपास के बीज उत्पादन में उचित पोषक प्रबंधन, कीट एवं रोग प्रबंधन को अनिवार्य बताते हुए बीज उत्पादन से जुड़ी सभी सावधानियों को कुशलता एवं सटीकता से पालन करने का अनुरोध किया। प्रशिक्षण दौरान हकृवि वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर ने कपास की स्थिति एवं कटाई के बाद देसी कपास के बीज उत्पादन से जुड़ी जानकारी दी। डॉ. करमल सिंह मलिक ने देसी कपास के बीज उत्पादन से जुड़ी सस्य क्रियाओं पर प्रकाश डाला जबकि डॉ. मीनाक्षी जाटाण ने देसी कपास के हाइब्रिड बीज उत्पादन संबंधी विस्तृत जानकारी दी। इसी प्रकार डॉ. संदीप कुमार ने देसी कपास के बीज उत्पादन के प्रयोगिक परीक्षण बारे जानकारी प्रदान की और डॉ. अनिल ने देसी कपास के बीज उत्पादन में कीट प्रबंधन के महत्व पर चर्चा की। इस अवसर पर डॉ. अनिल कुमार सैनी द्वारा देसी कपास के बीज उत्पादन में बाधा बनने वाली प्रमुख बीमारियों से निपटने के बारे में बताया गया। डॉ. शुभम लाम्बा ने देसी कपास के बीज उत्पादन में एकीकृत पोषण प्रबंधन एवं मृदा स्वास्थ्य के महत्व बारे जानकारी दी। प्रशिक्षण शिविर में कपास अनुभाग से डॉ. शिवानी मानधनिया एवं डॉ. शिवराज पुंडीर भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	20-9-23	4 --	5-8

बाजार में बिक रहे नकली बीज और दवाइयों से सावधान रहें किसान

एचएयू में देसी कपास के हाइब्रिड बीज उत्पादन का प्रशिक्षण शिविर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से देसी कपास का बीज उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर किसानों को देसी कपास का संकर (हाइब्रिड) बीज उत्पादन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने इस प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। उन्होंने किसानों से फसलों की अधिक उपज लेने के लिए प्रमाणित बीजों को प्रयोग करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बाजार में बिक रहे नकली बीज एवं दवाइयों से सावधान रहना चाहिए।

किसान यदि बीज स्वयं तैयार करते हैं तो यह न केवल शुद्ध होगा अपितु उन्हें बाजार से सस्ता भी पड़ेगा। देसी कपास के बीज उत्पादन में उचित पोषक प्रबंधन, कीट एवं रोग प्रबंधन को अनिवार्य बताते हुए बीज उत्पादन से जुड़ी सभी सावधानियों को कुशलता एवं सटीकता से पालन करने का अनुरोध किया। कृषि उप-निदेशक डॉ. विनोद फोगाट ने कपास की उत्तम खेती एवं बीज उत्पादन के लिए आयोजित शिविरों को किसानों के लिए महत्वपूर्ण बताया। ब्यूरो

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	19.9.2023	--	--

कपास वैज्ञानिकों ने किसानों को से दी महत्वपूर्ण जानकारी

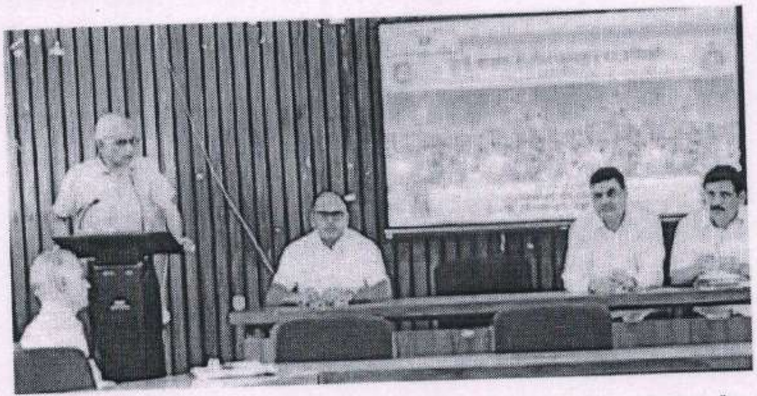

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से देसी कपास का बीज उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर किसानों को देसी कपास का संकर (हाइब्रिड) बीज उत्पादन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने इस प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। उन्होंने किसानों से फसलों की अधिक उपज लेने के लिए प्रमाणित बीजों को प्रयोग करने पर बल दिया। उन्होंने कहा बाजार में नकली बीज एवं दवाइयां उपलब्ध हैं जिनसे उन्हे सावधान रहना चाहिए। उन्होंने कहा किसान यदि बीज स्वयं तैयार करते हैं तो यह न केवल शुद्ध होगा अपितु उन्हें बाजार से सस्ता भी पड़ेगा जिससे उन्हें फसल से अधिक मुनाफा होगा। डॉ. शर्मा ने किसानों से देसी कपास के बीज उत्पादन में उचित पोषक प्रबंधन, कीट एवं रोग प्रबंधन को अनिवार्य बताते हुए बीज उत्पादन से जुड़ी सभी सावधानियों को कुशलता एवं सटीकता से पालन करने का अनुरोध किया। जिला कृषि उप-निदेशक डॉ. विनोद फोगाट ने कपास की उत्तम खेती एवं बीज उत्पादन के लिए आयोजित ऐसे प्रशिक्षण शिविरों को किसानों के लिए महत्वपूर्ण बताया । साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह निदेशक डॉ. ए.के.गोदारा ने किसानों को सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनने का सुझाव दिया। इससे पूर्व कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह मलिक ने संबोधन करते हुए प्रशिक्षण की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण दौरान हकृवि वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर ने कपास की स्थिति एवं कटाई के बाद देसी कपास के बीज उत्पादन से जुड़ी जानकारी दी। डॉ. करमल सिंह मलिक ने देसी कपास के बीज उत्पादन से जुड़ी सस्य क्रियाओं पर प्रकाश डाला

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	19.9.2023	--	--

एचएयू में देसी कपास के हाइब्रिड बीज उत्पादन को लेकर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

कपास वैज्ञानिकों ने किसानों को दी महत्वपूर्ण जानकारी

पांच बजे ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से देसी कपास का बीज उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर किसानों को देसी कपास का संकर (हाइब्रिड) बीज उत्पादन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने इस प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। उन्होंने किसानों से फसलों की अधिक उपज लेने के लिए प्रमाणित बीजों को प्रयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा बाजार में नकली बीज एवं दवाइयां उपलब्ध हैं जिससे इन्हें सावधान रहना चाहिए। उन्होंने कहा किसान यदि बीज स्वयं तैयार करते हैं तो वह न केवल शुद्ध होगा अपितु

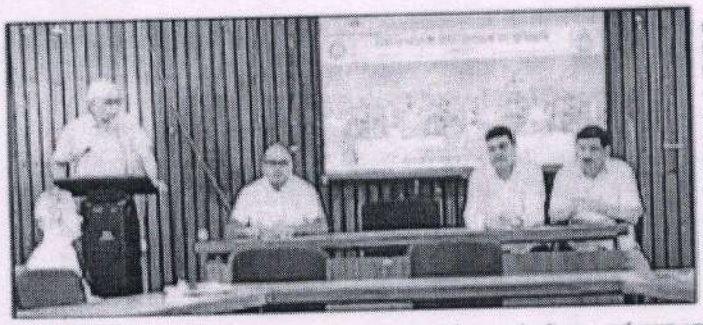

उन्हें बाजार से सस्ता भी पड़ेगा जिससे उन्हें फसल से अधिक मुनाफा होगा। डॉ. शर्मा ने किसानों से देसी कपास के बीज उत्पादन में दिए गए पोषक प्रबंधन, कीट एवं रोग प्रबंधन को अनिवार्य बताते हुए बीज उत्पादन से जुड़ी सभी सावधानियों को कुशलता एवं व्यापकता से पालन करने का अनुरोध किया।

कार्यक्रम में हिसार जिला के कृषि उप-निदेशक डॉ. विनोद फोगाट भी उपस्थित थे। जिन्होंने कपास की उन्नत खेती एवं बीज उत्पादन के लिए आयोजित ऐसे प्रशिक्षण शिविरों को किसानों के लिए महत्वपूर्ण बताया और इस दिशा में हकृवि के कपास अनुभाग के प्रयासों की सराहना की। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह निदेशक डॉ. ए.के. गोदारा ने किसानों को सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा किसानों को इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविरों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। इससे पूर्व कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह मलिक ने स्वागत संबोधन करते हुए प्रशिक्षण की रूपरेखा पर प्रकाश डाला।

प्रशिक्षण दौरान हकृवि वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर ने कपास की किस्में एवं कटाई के बाद देसी कपास के बीज उत्पादन से जुड़ी जानकारी दी। डॉ. करमल सिंह मलिक ने देसी कपास के बीज उत्पादन से जुड़ी सस्य क्रियाओं पर प्रकाश डाला जबकि डॉ. शिवानी मण्डल ने देसी कपास के हाइब्रिड बीज उत्पादन संबंधी विस्तृत जानकारी दी। इसी प्रकार डॉ. संदीप कुमार ने देसी कपास के बीज उत्पादन के प्रयोगिक परीक्षण बारे जानकारी प्रदान की और डॉ. अनिल ने देसी कपास के बीज उत्पादन में कीट प्रबंधन के महत्व पर चर्चा की।

इस अवसर पर डॉ. अनिल कुमार सैनी द्वारा देसी कपास के बीज उत्पादन में बाधा बनने वाली प्रमुख बीमारियों से निपटने के बारे में बतलाया गया। डॉ. सुभाष [illegible] ने देसी कपास के बीज उत्पादन में एकीकृत पोषक प्रबंधन एवं मृदा स्वास्थ्य के महत्व बारे जानकारी दी। प्रशिक्षण शिविर में कपास अनुभाग से डॉ. शिवानी मण्डल एवं डॉ. [illegible] पुनिया भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	19.09.2023	--	--

बाजरे की उन्नत किस्म को किसानों तक पहुचानें के लिए देश की नामी कंपनी से हुआ एमओयू

हकृवि का बाजरा हरियाणा के साथ-साथ अब अन्य प्रदेशों में भी लहराएगा परचम

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 18 सितंबर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्में अब न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों में भी अपना परचम लहराएंगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए गुजरात की नामी बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जब तक विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया शोध किसानों तक नहीं पहुंचेगा तब तक उसका कोई लाभ नहीं है। इसलिए इस तरह के समझौतों से विश्वविद्यालय का प्रयास है कि यहां विकसित उन्नत फसल किस्मों व तकनीकों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जा सके। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्म एचएचबी 299 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि किसानों को इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके।

इस कंपनी के साथ हुआ है समझौता

गुजरात की बीज कंपनी, इण्डो यू.एस. एग्रीसीड्स लिमिटेड, गांधीनगर के साथ बाजरे की किस्म एचएचबी 299 के लिए समझौता ज्ञापन पर एचएयू की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने जबकि कंपनी की तरफ से डायरेक्टर प्रियंका पटेल ने हस्ताक्षर किए हैं। इससे पहले भी बाजरे की इस किस्म के लिए मैसर्ज देव एग्रीटेक, गुरुग्राम, श्री सांई सदगुरु सीड्स, हैदराबाद (तेलंगाना) तथा आंध्रप्रदेश की तीन बीज कंपनियों संपूर्ण सीड्स, मुरलीधर सीड कॉरपोरेशन व श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर बीज के साथ समझौता हो चुका है।

विश्वविद्यालय के साथ किसानों को भी होगा फायदा

समझौता ज्ञापन पर हस्तारक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा।

ये है इस किस्म की खासियत

विश्वविद्यालय द्वारा विकसित एचएचबी 299 किस्म में अन्य किस्मों की तुलना में अधिक पैदावार मिलती है तथा यह रोगरोधी भी है। यह बाजरा की अधिक लौह युक्त (73 पी.पी.एम.) संकर किस्म है। इसके सिट्टे शंक्वाकार व मध्यम लंबे होते हैं। एचएचबी 299 किस्म 80-82 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। अच्छा रख रखाव करने पर यह किस्म 49.0 मन प्रति एकड़ तक पैदावार देने की क्षमता रखती है। यह किस्म जोगिया रोगरोधी है।

ये रहे मौजूद

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते समय विश्वविद्यालय की मानव संसाधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजु महता, बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, बौद्धिक संपदा अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. विनोद कुमार, डॉ. देवव्रत, कुलपति सचिव कपिल अरोड़ा व कंपनी के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	20-9-23	3	5-6

ध्यान से मन स्वस्थ-प्रसन्न रहता है

जागरण संवाददाता, हिसार : आर्ट आफ लिविंग का हर घर ध्यान कार्यक्रम चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कालेज आफ एग्रीकल्चर आडिटोरियम में समापन किया गया। विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय एवं आर्ट आफ लिविंग के संयुक्त अभियान हर घर ध्यान कार्यक्रम का 6 दिवसीय आयोजन किया गया। 6 दिवसीय इस कार्यक्रम के सभी सत्रों का संचालन आर्ट आफ लिविंग मेडिटेशन कोच एवं स्टेट मीडिया कोआर्डिनेटर नीरज गुप्ता ने किया। विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डा. मंजू महता, संयुक्त निदेशक मंजु नागपाल महता एवं भगत सिंह ने नीरज गुप्ता के पहुंचने पर स्वागत किया एवं सदन से परिचय करवाया। कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत ज्ञान की देवी मां सरस्वती की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। नीरज गुप्ता ने अपने संबोधन में बताया कि आधुनिक जीवन में बढ़ते उच्च तनाव के कारण मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सदस्याएं बढ़ती जा रही हैं। छोटी छोटी बातों से हमें तनाव लेना तो आता है पर उससे छुटकारा कैसे पाया जाए यह हमें नहीं आता। उन्होंने बताया कि ध्यान से मन स्वस्थ एवं प्रसन्न रहता है। नियमित ध्यान के अभ्यास से तनाव, चिंता एवं अवसाद से छुटकारा पाया जा सकता है। कार्यक्रम में विरेंद्र नारायण ने सहयोग दिया।